Ma Baglamukhi
Bhakt Mandaar Vidya

Shri Yogeshwaranand Ji
+919917325788, +919675778193
shaktisadhna@yahoo.com
www.anusthanokarehasya.com
www.baglamukhi.info

भक्त मंदार विद्या

भगवती बगलामुखी के इस मंत्र को ‘ वांछाकल्पलता’ माना जाता है। इस मंत्र का साधन करने से साधक समस्त ऐश्वर्यों एवं सम्पत्तियों की प्राप्ति करने में सक्षम हो जाता है। वह श्री -सम्पन्न हो जाता है।

यह मंत्र ‘भक्त-मंदार मंत्र’, ‘मंत्र रत्न’ आदि नामों से जाना जाता है। अनेकानेक साधक ऐसे हैं, जिन्होंने इस मंत्र की साधना के द्वारा लक्ष्मी स्वरूपा भगवती बगला की कृपा प्राप्त की है।

जिन लोगों का व्यापार पूरी तरह बन्द होने के कगार पर हो, धन डूब गया हो, पुनः वापसी की कोई सम्भावना ना हो, कर्ज दिन पर दिन सुरसा के मुंह की तरह बढ़ता जाता

हो अथवा ऐश्वर्य प्राप्ति की सतत अभिलाषा हो, ऐसे लोगों के लिए यह मंत्र वास्तव में 'वांछाकल्पलता' के समान है।

जप-मंत्र :- श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा।

अथवा

ॐ श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि-देहि स्वाहा।

ध्यान

सुवर्णा भरणां देवि! पीतमाल्याम्बरा-वृताम् ।
ब्रह्मास्त्र-विद्यां बगलां वैरिणां स्तम्भिनीं भजे।।

इस मंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह साधक को ऐश्वर्य सम्पन्न बनाने के साथ-साथ उसके शत्रुओं की गति, मति एवं बुद्धि का स्तम्भन भी करता है।

इस मंत्र के द्वारा पुटित शतचण्डी प्रयोग आश्चर्यजनक सफलता प्रदान करने वाला है। 'श्रीमद् भागवत' के आठवें स्कंद के आठवें अध्याय के आठवें मंत्र- ' ततश्चाविर्भूत साक्षाच्छ्री (साक्षात् श्री) रमा भगवत्परा रंजयन्ती दिशः कान्त्या विद्युत सौदामिनी यथा ' से संयोग करके प्रयोग करने से भी विशेष रूप से धन की प्राप्ति होती है।

जप-संख्याः- एक लाख

मालाः- स्फटिक अथवा कमलबीज ।

विशेषः- इस मंत्र का जप यदि बेल पत्थर, जिसे बिल्व वृक्ष भी कहा जाता है, के नीचे बैठकर एक लाख की संख्या में

लक्ष्मी स्वरूपा बगला का ध्यान करते हुए जप करने से लक्ष्मीवान् हो जाता है।

My dear readers! Very soon I am going to start free of Cost an E-mail based monthly magazine related to tantras, mantras and yantras including practical uses for human welfare. I request you to appreciate me, so that I can change my dreams into reality regarding the service of humanity through blessings of our saints and through the grace of Ma Pitambara. Please make registered to yourself and your friends. For registration email me at shaktisadhna@yahoo.com. Thanks

For Purchasing all the books written By Shri Yogeshwaranand Ji Please Contact 9410030994

1. Mahavidya Shri Baglamukhi Sadhana Aur Siddhi
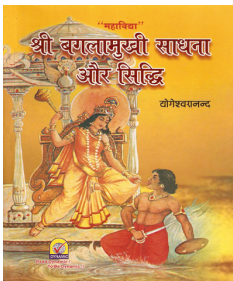
2. Mantra Sadhana
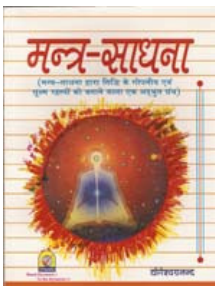
3. **Sri Vidya** Shodashi Mahavidya **(Tripursundari Sadhana)**